mentorship programme

18 DEC 2021

दृष्टि The Vision

drishti

सामान्य अध्ययन

निर्धारित समय: 2 घंटा 10 मिनट
Time allowed: 2 Hour 10 Minutes

अधिकतम अंक: 200
Maximum Marks: 200

Name: GAGAN SINGH MEENA

Mobile Number: [redacted]

Medium (English/Hindi): HINDI

Email:

Center & Date: MN

UPSC Roll No. (2021): 0864653

153/250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिये जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			
Grand Total (सकल योग)			

t-1400

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

PART-A

4. "क्या जनता को शिक्षित करने से एक समतावादी समाज संभव है?"

सन 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध की पूर्व संध्या पर कोरिया प्रायद्वीप को 38° समांतर रेखा के साथ दो भागों में विभाजित किया गया। उत्तर में स्थित कोरिया ने तानाशाही शासन को अपनाया वहीं दक्षिण में स्थित कोरिया द्वारा उदार लोकतंत्र को स्वीकार किया गया। एक ने अपनी जनता को उच्च कौशल युक्त शिक्षा, नवाचार व उद्यमिता को प्रोत्साहित किया वहीं दूसरे ने अपनी जनता की शिक्षा के स्थान पर धन को परमाणु विकास कार्यक्रमों पर खर्च किया।

आज 7 दशक बाद जहाँ दक्षिण कोरिया ने जनता को शिक्षित करके समतावादी समाज की स्थापना की है।

Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वही उत्तर में स्थित कोरिया में बिना शिक्षा के ना तो समतावादी समाज है ना हि व्यक्तियों को पर्याप्त स्वतंत्रता।

उपरोक्त स्थिति व परिदृश्य हमें समतावादी समाज व शिक्षित जनता के मध्य पारस्परिक संबंधों को व्यक्त करती है। लेकिन अब इसे समझना समीचीन होगा कि कैसे शिक्षित जनता से समतावादी समाज बनता है? क्या केवल शिक्षा ही समतावादी समाज का मानदंड है? नहीं तो फिर और क्या आवश्यकता है। इन्ही कुछ प्रश्नों के जवाब के लिए एक विस्तृत विश्लेषण की आवश्यकता है।

पहले यह जानना भी ठीक होगा कि वास्तव में समतावादी समाज क्या है? वह समाज जिसमें सामाजिक, आर्थिक, लैंगिक, राजनीतिक आधारों पर कोई भेदभाव ना हो, प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार हो और किसी के लिए कोई विशेषाधिकार ना हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्राचीन समय से ही जनता की शिक्षा को विशेष महत्व दिया जाता रहा है। चाहे रामायण व महाभारत में ऋषि मुनियों से प्राप्त शिक्षा हो या फिर हड़प्पा, मोहनजोदड़ो में प्राप्त होने वाले प्रमाण इसका उदाहरण प्रस्तुत करते है। हड़प्पा सभ्यता की तो नगर व्यवस्था, साफ-सफाई, बाजार प्रांगण इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है कि कैसे उन्होंने शिक्षित वर्ग की सहायता से समतावादी समाज तैयार किया।

इतना ही नहीं भारत की वैदिक सभ्यता में सभा-समितियों में महिला-पुरुष को समान अधिकार प्राप्त था, ना कोई वर्णव्यवस्था थी लेकिन उत्तर वैदिक काल में आए शिक्षा के पतन से समतावादी समाज के स्थान पर एक वर्ग विशेष के साथ भेदभाव किया गया।

जहाँ भारत को एक तरफ 'सोने की चिड़िया' व "जगतगुरु" की संज्ञा दी जाती थी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2.

वही भारत मध्यकाल में शिक्षा के पतन से इतिहास के अंधेरे पन्नों में खो गया। इन्ही सब परिणामों व कारकों ने उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद को बढ़ाया और एक समावेशी समतावादी भारतीय समाज को भेदभाव व विशेषाधिकार युक्त समाज में बदल दिया गया।

पुनर्जागरण इतिहास इसका बेहतर उदाहरण है कि कैसे उदार शिक्षा, मूल्य, समानता के विचारों ने जनता के बीच विभिन्न रूढ़ियों व अंधविश्वासों को खत्म किया। राजा राम मोहन राय, ईश्वर-चंद्र विद्यासागर के प्रयासों व उनकी शिक्षा से समाज में सती प्रथा का उन्मूलन व विधवा विवाह को अनुमति मिली। वही ज्योतिबा फुले, बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों व उनकी जनता को दी गई शिक्षा ने जातिव्यवस्था की नीवों को हिलाकर रख दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत ही नहीं बल्कि विश्व के विभिन्न समाजों में न्याय, स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व के मूल्यों से समतावादी समाज की स्थापना अमेरिका, फ्रांस व रूसी क्रांति के कारण हुई। लेकिन इन क्रांतियों को उर्वरता देने का काम प्रसिद्ध विद्वानों जैसे- रूसो, वाल्टेयर की शिक्षा तथा जनता का उन पर प्रभाव था।

जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले चाहे नेल्सन मंडेला हो, अब्राहम लिंकन हो या फिर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी इन्होंने भी समतावादी समाज की स्थापना के लिए नागरिकों को उनके अधिकारों के लिए जागरूक किया था।

इसके साथ ही आज के समाज में विचारों, मूल्यों, अधिकारों के साथ सहिष्णुता, ईमानदारी व नैतिकता की शिक्षा से विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारा बढ़ता है तथा समतावादी समाज का अस्तित्व उत्पन्न होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत सरकार भी 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की थीम पर एक समतावादी समाज स्थापित करना चाहती है।

जनता को अपने अधिकारों व कर्तव्यों को लेकर शिक्षित करना आज के लोकतांत्रिक परिदृश्य में अति आवश्यक है। इससे ना तो कोई मॉब लिंचिंग होगी ना ही हमें IPC-124(A) जैसे कानूनों के उपयोग की जरूरत होगी। राजनीतिक शिक्षा से राजनीतिक न्याय सुनिश्चित हो, प्रत्येक व्यक्ति की लोकतंत्र में जिम्मेदारी सुनिश्चित होगी और "जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा" शासन भी मूर्त रूप में प्राप्त होगा।

राजनीतिक शिक्षा के साथ बिना आर्थिक शिक्षा के समतावादी समाज की कल्पना करना कठिन है। व्यक्ति को संसाधनों के दुरुपयोग से रोकना, अधिक संपत्ति के अधिग्रहण को कम करना तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. अपरिग्रह जैसे विचारों की शिक्षा से समाज में आमूलचूल बदलाव होगा। इससे समाज में अमीर-गरीब की खाई कम होगी और आज जो 10% व्यक्तियों के पास 74% राष्ट्र की संपत्ति है उसका समान वितरण भी होगा। इस स्थिति में गांधीजी के विचार तथा उनका 'ट्रस्टीशिप' का सिद्धांत समतावादी समाज के लिए प्रासंगिक है।

अधिक आर्थिक औद्योगिकरण ने आज पर्यावरण चुनौती को बढ़ा दिया है। वर्ष 2021 का "अर्थ ओवर शूट डे" 29 जुलाई को था। इसका अर्थ यह हुआ कि पृथ्वी का 4 महिने का स्टाक हमारे ऊपर इस वर्ष बकाया है। इन्हीं के परिणाम से जलवायु-परिवर्तन, शरणार्थी समस्याएँ तथा छोटे द्वीपीय देशों के डूबने का भय उत्पन्न हो गया है। यदि व्यक्ति को 'जीरो वेस्ट लाइफ स्टाइल' की शिक्षा दी जाये तो विश्व में बढ़ती पर्यावरणीय आपातकाल समस्या को रोक सकते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपभोक्तावाद ने न केवल पर्यावरण को बल्कि प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। आज एक तरफ महिला पितृसत्तात्मक व्यवस्था से लड़ रही है तो LGBTQ समुदाय अपने अधिकारों के प्रति संघर्ष कर रहा है। वहीं बच्चे भी प्रौद्योगिकी, बलात्कार की हिंसक रूपों से पीड़ित है। यदि समाज को लैंगिक न्याय, सहिष्णुता तथा बच्चों के प्रति करुणा के रूप में शिक्षित किया जाए तो महिलाएं की प्रतिभा, LGBTQ का अधिकार तथा बच्चों के भविष्य को उभारकर समतावादी समाज बना सकते हैं।

उपर्युक्त चर्चा के बाद यह तो कहा जा सकता है कि की शिक्षित जनता समतावादी समाज बनता है लेकिन क्या केवल शिक्षित जनता पर्याप्त है जो समतावादी समाज को स्थापित करे?।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यदि विद्यालयी शिक्षा केवल शिक्षा के रूप में मात्रात्मक ज्ञान प्रदान करे तो उससे समतावादी समाज संभव नही है। विश्व के अनेक तानाशाही शासक जैसे - हिटलर, मुसोलनी इत्यादि शिक्षित थे लेकिन इन्होने अपनी शिक्षित जनता को भी नरसंहार के प्रति प्रेरित किया तो ओसामा बिन लादेन तथा बगदादी (ISIS) द्वारा धर्म के नाम शिक्षित जनता को भी आतंकवादी बना दिया।

चाहे अमेरिका जैसे शिक्षित देश में 'जॉर्ज फ्लायड' की हत्या हो या फिर चीन जैसे आर्थिक रूप मे समृद्ध देश मे उइगर मुस्लिम पर अत्याचार समतावादी समाज स्थापित नही करते।

भारत में जाति के नाम पर मॉब लिंचिंग, पंजाब व हरियाणा जैसे समृद्ध राज्यों मे कन्या भ्रूण हत्या के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4\. मामले या फिर केरल में एक नन के साथ चर्च में बलात्कार की घटना भी एक समतावादी समाज स्थापित नहीं करते हैं।

फिर तो यह जानना भी आवश्यक है कि शिक्षित जनता के साथ और क्या आवश्यक है जो समतावादी समाज स्थापित करें।?

शिक्षा एक अनिवार्य तो है लेकिन पर्याप्त नहीं है। इसके साथ नैतिकता, मूल्य, सहिष्णुता तथा विभिन्न वर्गों के बीच समरसता भी होनी चाहिए। व्यावसायिक क्षेत्र में बफेट व गेट्स की जॉय ऑफ गिविंग की भावना तो राजनीति में शास्त्री व अब्दुल कलाम जैसे व्यक्तियों की तरह निष्पक्षता व गैर-तरफदारी का मूल्य।

वहीं प्रत्येक व्यक्ति में संविधान की प्रस्तावना के अनुसार न्याय, स्वतंत्रता, बंधुता व व्यक्ति की गरिमा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को प्रोत्साहन होना चाहिए।

जनता के बीच गांधी के अंत्योदय से सर्वोदय की भावना तो महावीर के जीयो और जीने दो के विचार होने चाहिए। कबीर की मधुर वाणी और नानक का 'सरबत दा भला' तो इस्लाम का भाईचारा व ईसाइयत की करुणा समतावादी समाज के लिए आवश्यक है।

हमें शिक्षा व्यवस्था में जहाँ गांधीजी की नई तालीम को शामिल करना होगा तथा नयी शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप बच्चों को आध्यात्मिक, नैतिक, भौतिक के साथ पर्यावरण शिक्षा देनी होगी। शिक्षाव्यवस्था ऐसी हो न केवल व्यक्ति को ज्ञान दे बल्कि उसे एक उच्च, गुणवत्तापूर्ण, मूल्यों से युक्त व्यक्ति भी बनाएँ।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कबीर जी ने भी कहा है

"पोथी-पोथी जग मुआ पंडित बना न कोई,
ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होए"

अर्थात हमें जनता को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यवहारिक व मूल्य युक्त ज्ञान प्रदान करना होगा। तभी हम संविधान की भावना के अनुसार सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय से परिपूर्ण व समानता व स्वतंत्रता से युक्त सर्व समभावी समतावादी समाज स्थापित कर पायेंगे।

काफी अच्छा प्रस्तुतीकरण है
उत्तर पर बेहतर प्रयास किया गया है
विषयवस्तु की उपस्थिति समग्र बेहतर है
परिचय और निष्कर्ष बेहतर तरीके से लिखा गया है

78

Very good

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

PART # B

टेक- संतुप्त दुनिया में कल्याण का भविष्य

परिदृश्य : 1

रमेश एक प्रवासी व्यक्ति है जो दिल्ली के अशोक विहार में रहता है। वह प्रतिदिन एक रिक्शा चलाकर अपना गुजारा करता है। पिछले वर्ष लॉकडाउन में काम बंद होने तथा घर जाने के लिए परिवहन पास की जरूरत पड़ी लेकिन रमेश को डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का कोई ज्ञान ही नहीं था। ऐसी ही स्थिति तब उत्पन्न हुई तब हाल ही में वह कोविड-19 का टीका लगवाने गया उसे बिना टीका आना पड़ा क्योंकि वह COVIN (कोविन) पोर्टल में पंजीकृत नहीं था। इसमें एक तरफ तो उसके रोजगार की हानि भी हुई वहीं दूसरी तरफ उसका कल्याण भी प्रभावित हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

परिदृश्य:2 : अशोक सिंह जी दिल्ली में रहने वाला सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वह जैसे ही सुबह उठता है उसके गीजर स्वतः पानी गर्म कर देता है, स्वतः ही दूध गर्म हो जाता है तथा जैसे ही वह घर से निकलता है तो उसकी पल्स ऑक्सीमीटर का डेटा उसे अपनी घड़ी में दिखाई देता है। वह कोविड के टीके के लिए लाइन में नहीं लगता है बल्कि ऑनलाइन आवेदन देकर नियमित समय पर जाता है। ना तो अशोक का समय खराब होता है ना हि उसे टीका प्राप्त करने में देरी।

उपरोक्त दो अलग-अलग घटनाएँ दर्शाती हैं कि कैसे तकनीकी की संतृप्तता एक व्यक्ति का कल्याण सुनिश्चित करती है। वहीं दूसरे का इसके अभाव में कल्याण प्रभावित होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हमें यह जानने के लिए कैसे टेक-संतृप्त दुनिया के भविष्य को बेहतर करेगी? क्या इसमें कुछ चुनौतियाँ व मुद्दे पैदा होंगे? इन्ही सवालों के जवाब के लिए विषय पर गहन चर्चा की आवश्यकता है।

यह जानना भी समीचीन होगा कि टेक-संतृप्त है क्या?। टेक-संतृप्त को तकनीकी के उच्चतम स्तर को कहा जाता है। जब यह अपनी प्रारंभिक अनुसंधान अवस्था से परिपक्व अवस्था में साकार चरम स्थिति पर पहुंच जाये। तकनीकी की संतृप्तता की स्थिति में दुनिया के दैनिक जीवन के कार्य से लेकर कार्यालय कार्य अधिक सुगम हो जाते हैं।

प्राचीन समय से लेकर तकनीकी का विकास काल जारी रहा है चाहे आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत का योगदान हो या फिर हड़प्पा, मोहनजोदड़ो जैसी सभ्यता में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

[illegible] व्यवस्था ने दुनिया का [illegible] किया है।

औद्योगिक क्रांति के बाद भाप, बिजली, टेलीफोन का आविष्कार हो या फिर कंप्यूटर, रॉकेट की खोज ने मनुष्य को बैलगाडी युग से रॉकेट युग तक पहुचा दिया। तकनीकी औद्योगिकी तथा स्पेस तकनीकी के बाद तो मानो दुनिया ने एक दिशा प्राप्त कि उन जगह तक अपने मिशनों को भेज दिया जहॉ की कल्पना करना भी मुश्किल था।

वर्तमान में टेक-युग के कारण मनुष्य चंद्रमा पर जा सकता है, अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन बना लिया है, मनुष्यों का उपचार बिना शारीरिक संपर्क के हो रहा है, शिक्षा मे तो मानो क्रांति ही आ गई है, ऊर्जा के नित नए रूप उपस्थित है तो परिवहन की विकास की कहानी तो अलग ही है।

(उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये)
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतना ही नही टेक संचालित विश्व मे लोकतांत्रिक मूल्य, पर्यावरण संरक्षण के विचारो की कोई राष्ट्र सीमा नही है तो "ब्लैक लाइव मैटर" तथा #metoo जैसे कैंपेन को समर्थन मिल रहा है। व्यक्ति के लिए एक तरफ नये रोजगार के अवसर मिले है तो वही विभिन्न वैश्विक कंपनियों को कोई भी देश से संचालित कर सकते है। व्यक्ति आनुवांशिक संशोधित फसल उगा सकता है तो IVF तथा CRISPAR cas-9 से जीन एडिटिंग हो सकती है।

हालांकि उपरोक्त स्थिति वर्तमान को दर्शाती है लेकिन टेक-संतुलन का भविष्य में मनुष्य के उत्थान पर कैसे प्रभाव पड़ेगा इसका अध्ययन करना आवश्यक है।

आज दुनिया तकनीकी 4.0 के युग मे जिसमे विभिन्न तकनीकी का विकास हो रहा है कुछ का अभी होना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
drishti दृष्टि The Vision
www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वाहि है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), मशीन-लर्निंग (ML), बिग डेटा, ब्लॉकचेन तकनीकी, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो, स्पेस तथा सूचना तकनीकी आदि कुछ महत्वपूर्ण तकनीकी हैं। इन तकनीकियों के पूर्ण विकास होने के बाद मानव का कल्याण तथा उसका भविष्य में एक उल्लेखनीय परिवर्तन होने वाला है।

इन तकनीकियों का एक खेत के किसान द्वारा सेंसर, ड्रोन द्वारा खेती संभव होगी तो पोषण तत्वों को नियंत्रित करके कुपोषण, अल्पपोषण की समस्या दूर होगी। वर्तमान में 2 गोल्डन राइस इसका उदाहरण है जो विटामिन A प्रदान करता है। केवल खेती ही नहीं व्यक्ति का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा।

व्यक्ति के स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी, सेंसर व स्मार्ट गोलियों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. का आगमन, रोबोट सर्जरी, स्टेम सेल का प्रयोगशाला में निर्माण, आनुवांशिक विकारों को दूर करना इत्यादि। इससे मानव की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि तथा गुणवत्ता में वृद्धि होगी जिससे उसकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी।

दुनिया में रोजगार के अवसरों में वृद्धि तथा वर्क फ्रॉम होम की संकल्पना के साथ गरिमापूर्ण स्वास्थ्य व कार्यस्थल की स्थिति को प्राप्त करना आसान होगा। रोबोटिक्स, AI तथा ब्लॉकचेन के बाद औद्योगिक दुर्घटना को रोकना आसान होगा। तथा मनुष्य के जीवन के मूल्य को अधिक उत्पादक क्षेत्रों में लगाया जा सकेगा।

इसी के साथ व्यक्ति की यात्रा में लगने वाले समय में कमी, बेहतर सुरक्षित परिवहन व्यवस्था का सपना हाइपरलूप तकनीकी द्वारा संभव होने वाला है। आज स्पेसएक्स, वर्जिन वन जैसी एजेंसिया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

मनुष्यों को अंतरिक्ष पर्यटन के लिए भेज रही है। पर्यटन ही नही ऊर्जा के नये रूप विकसित हो रहे है।

दुनिया का भविष्य एक तरफ जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होगा वही दूसरी तरफ तकनीकी उन्नति के कारण फुटबाल जैसे मैदानों मे व्यक्ति की गतिविधियों से बिजली बनेगी। दुनिया मे हाइड्रोजन ऊर्जा, सोलर सेल का आगमन पर्यावरण के साथ मनुष्य का कल्याण सुनिश्चित होगा।

राजनीति भी टेक संतुलता से अछूता नही रहेगा। बल्कि ब्लॉकचेन, बिग डेटा के कारण चुनावों का संचालन, पारदर्शिता व जवाबदेहिता मे वृद्धि होगी। सरकारें बेहतर नीति-निर्माण, डेटा विश्लेषण के आधार पर उचित निर्णय वही नीति क्रियान्वयन मे AI द्वारा बेहतर लक्ष्यीकरण व निगरानी सुनिश्चित होगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजनीति ही नहीं बल्कि देश की रक्षा व सुरक्षा का बेहतर होना भी दुनिया का कल्याण बढ़ायेगा। नैनो तकनीकी पर आधार नैनो सेंसर, बुलेट प्रूफ जैकेट के कारण सैनिकों की रक्षा व सुरक्षा बेहतर होगी। IOT/AI के कारण सैनिकों द्वारा बेहतर निगरानी रखी जायेगी। इसके कारण विभिन्न कूटनीतिक लाभ भी प्राप्त होंगे।

विभिन्न देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का संचालन भी तकनीकी से प्रेरित होगा। दुनिया में देशों की संप्रभुता के लिए 10 लोकतांत्रिक (D-10) चीन की 5-G तकनीकी के विरोध में आये हैं। भविष्य में भी जब तकनीकियों का दुरुपयोग होगा तो विभिन्न राष्ट्र संप्रभुता के लिए लामबंद होंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चाहे कानून-व्यवस्था का संचालन हो, सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाना, यात्रिक दिव्यांग, महिला व कुपोषित वर्गों के लिए तकनीकी संतुलता के बेहतर लाभ प्राप्त होंगे। बायोनिकी के पूर्ण अस्तित्व के बाद धर्ट पीस मेकर से बेहतर व्यक्ति की आनुवांशिक विकारों को ठीक करने में सहायता करेगी।

इतना ही नहीं GPS, IRNSS जैसे स्थानिक औद्योगिक आपदा प्रबंधन, नियोजन में सहायक होगी तथा राष्ट्र व देश के विकास को प्रोत्साहित करेगी।

21वी सदी का औद्योगिक मॉडल तकनीकी 4.0 पर आधारित होगा सोशल मीडिया, ई-कामर्स तथा IT&BOP क्षेत्रों के कारण देशों के बीच केवल भौतिक सीमाए रहेगी न कि व्यक्ति के विचारो, कार्यों में अवरोध।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हालांकि उपरोक्त अध्ययन केवल टेक-संतुष्टा के लाभों को रेखांकित करता है। लेकिन यह भी तथ्य है कि इन प्रौद्योगिकी विकास के बाद अनेक मुद्दे भी पैदा होगा।

AI/क्लाउड जैसी तकनीकी से व्यक्ति की निजता व गोपनीयता को खतरा उत्पन्न होगा वहीं व्यक्तियों के बीच असमानता में वृद्धि होगी। रोजगार हानि, मनुष्यों के बीच कृत्रिम भेदभाव भी पैदा होगा।

दुविधा की स्थिति तो तब पैदा होगी जब मशीने "सुपर इंटेलिजेंस" के रूप में कार्य करना आरंभ कर देगी। तकनीकी संतुलन ने मानवता के साथ दुनिया की नैतिक व्यवस्था को भी खतरा उत्पन्न हो सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आतंकवादी, साइबर अपराध, ट्रोलिंग, वायरस, फिरौती जैसे अनैतिक व अवैध अपराधों को बढ़ावा मिल सकता है। विभिन्न राष्ट्रों के बीच तकनीकी प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा नहीं विश्व को नये शीत युद्ध के रूप में ला पहुंचा है। लेकिन फिर इसका क्या समाधान है कि टेक-मंत्रालय केवल दुनिया का कल्याण सुनिश्चित करे।

इसमें कोई संशय नहीं है कि आने वाली तकनीकी ज्यादातर दोधारी तलवार की तरह होती है। हमें उनके अच्छे व सकारात्मक रूपों को ग्रहण करना चाहिए।

तकनीकी व्यक्ति के कल्याण व सभ्यता के संचालन के लिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9.

आवश्यक होती है। इसके लिए आवश्यक होगा कि AI व अन्य तकनीकों में नैतिकों के नियमों को लागू किया जाए।

तकनीकी की संतुष्टता को प्राप्त करना तथा उसका विभिन्न वर्गों के बीच समानता के आधार पर बटवारा भी आवश्यक है। बेहतर तकनीकी को अपनाना उसके नकारात्मक व दुरुपयोगों को रोकना ही किसी तकनीकी के अच्छे के लिए सर्वश्रेष्ठ होता है। गांधीजी द्वारा भी मानवता के बिना विज्ञान को पाप के रूप में शामिल किया है। इसलिए यह आवश्यक है कि टेक-संतुष्टता का लाभ नैतिकता व समानता के सिद्धांतों पर आधारित हो जिससे स्वेदा जैसे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक शिक्षा प्रणाली के साथ अशोक सिंह जैसे इंजीनियर का कल्याण साथ-साथ सुनिश्चित हो। किसी ने ठीक ही कहा है -

"दुनिया पहुँची चाँद पर,
तुम यहीं रह जाओगे,
तकनीकी से शिक्षा को जोड़ो
नहीं तो मिट्टी की भीत
सा ढह जाओगे"

75/125

Very good

निबंध की विशेषताएं:
- विषयवस्तु की अवधारणात्मक समझ बेहतर है
- निबंध को बहुआयामी दृष्टिकोण से लिखने का प्रयास किया गया है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

भाषा प्रवाह एवं प्रस्तुतीकरण के स्तर पर बेहतर प्रयास किया गया है

परिचय और निष्कर्ष लिखने का तरीका शानदार है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation